2025

(Ability Enhancement Course)

Paper : AEC0101304N

(हिन्दी काव्य एवं कथा साहित्य)

(For Regular)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) कबीरदास गुरु की तुलना किससे करते हैं?

(ख) 'कुत्ता' नामक कविता के कवि कौन हैं?

(ग) अज्ञेय का पूरा नाम बताइए।

(घ) बिहारीलाल किस काल के लोकप्रिय कवि हैं?

(ङ) 'टूटा पहिया' शीर्षक कविता के कवि कौन हैं?

(च) विद्यापति की पदावली की भाषा क्या है?

(छ) 'त्यागपत्र' उपन्यास का प्रकाशन-काल क्या है?

(ज) 'त्यागपत्र' उपन्यास का मुख्य पात्र कौन है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **छः** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) केवट राम के पैर क्यों धोना चाहता है?

(ख) चित्रकूट में सीता क्यों आयी थी?

(ग) 'सोभा ही के भार'—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) विजय प्राप्त करके भी अशोक चिन्तित क्यों थे?

(ङ) महादेवी वर्मा किसे अपनी आँचल की ओट में रखी हुई है और क्यों?

(च) मुगलसराय में नवल किशोर को न मिलने पर वंशीधर ने क्या किया?

(छ) कजाकी की पत्नी ने कजाकी के बुरे हाल का वर्णन किसके सामने किया?

(ज) "कायर, नपुंसक—तुम नंगा कैसे हुए?" यह कथन किसका है और किससे कहा गया है?

(झ) प्रमोद की किन्हीं दो चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ञ) 'त्यागपत्र' उपन्यास में त्यागपत्र कहाँ और क्यों दिया जाता है?

3. निम्नलिखित **प्रश्नों में** से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) मीराँबाई के आराध्य के स्वरूप के बारे में संक्षेप में लिखिए।

(ख) 'तोड़ती पत्थर' कविता के प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिए।

(ग) "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।
बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल॥"

प्रस्तुत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) कवि घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ङ) साखी से क्या अभिप्राय है? कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा गया है?

(च) 'सत्य का मूल्य' कहानी का मूल उद्देश्य क्या है?

(छ) 'त्यागपत्र' उपन्यास की मूल समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(ज) मृणाल के चरित्र का विश्लेषण कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों से से किन्हीं **दो** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने।
जिस पथ जावें वीर अनेक॥

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बिना मजदूरी के पेट-भर भात पर काम करने वाला कारीगर। दूध में कोई मिठाई न मिले, तो कोई बात नहीं, किन्तु बात में ज़रा भी झाल वह नहीं बर्दाश्त कर सकता।

(ग) 'भ्रमरगीत' के पठित पाठ के आधार पर गोपियों के हृदय का परिचय दीजिए।

(घ) 'आत्मा की आवाज' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) कथावस्तु के आधार पर 'त्यागपत्र' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।